





# गया : पूरे परिवार के साथ अति प्राचीन काल से विराजमान है भगवान सूर्य की अद्भुत प्रतिमा

गयासुर ने कराया था ब्राह्मणी घाट मंदिर का निर्माण, पूरे विश्व में इकलौता है 7 फीट ऊंची बिंदुंची नारायण सूर्य

अखण्ड

**गया :** पांचवर फलु नदी के पश्चिमी छोर पर स्थित ब्राह्मणी घाट आदि- अनादि काल से सूर्य पूजन का महत्वपूर्ण केंद्र रहा है। जहां पर फलकेश्वर महादेव की शिवलिंग के साथ विरचनारायण के नाम से सुविख्यात भगवान भास्कर की लगभग 7 फीट से अधिक ऊंची अद्भुत प्रतिमा स्थापित है शान्तिप्राप्त पथर की यह प्रतिमा दर्शनीय के साथ- साथ साधीय भी है लगभग सात फीट की साँगोंपांग सूर्य की मूर्ति अपने पूरे परिवार के साथ यहां अतिप्राचीन काल से विराजमान है विश्व की संभवतः वह पहली सूर्य प्रतिमा है, जहां भगवान सूर्य के दोनों पुरुषों एवं यम के साथ ही सूर्यीनी संज्ञा, सार्वी अरुण के साथ सात धोड़े एवं एक चक्रके के रथ पर विराजमान हैं मुख्य प्रतिमा के ऊपर दाँवें-बाँवें अंधकार को भग्नाने वाले दो देवीयां उषा एवं



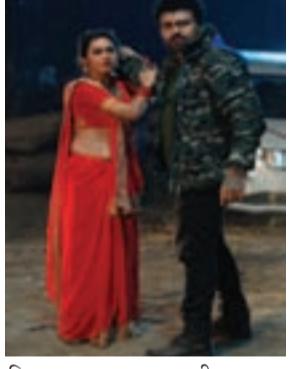
प्रत्युषा की भी प्रतिमा साथ में विराजमान हैं। भगवान सूर्य के दोनों हाँसों में सनात स्वेत कमल पुष्प के साथ ही माथे पर तुर्की टोपी नूमा मुकुट एवं कंधे पर यत्पापीवत के साथ ही कमरधी एवं गले में बाजूबंद तथा दोनों कलाईयों में

कंगन भी स्पष्ट दिखता है पैरों में धूने तक जूते पहने उदीच्येषधारी भगवान सूर्य की विप्रिमा उडीसी शैली की मानी जाती है इस मंदिर का निर्माण एवं विश्व की स्थापना प्रथम सत्यग काल में गयासुर के द्वारा की गई थी। वहां जो भी साधक अपनी

## सलमान से लोहा ले चुके आर्यन अब खेसारीलाल से लेंगे टक्कर

राष्ट्रीय खबर

**पटना :** फिल्म रेडी में सलमान खान से लोहा ले चुके आर्यन बबर अब टेक्नीशियन फिल्म फैक्ट्री के बैनर तले बन रही फिल्म राजाराम में मुख्य विलान की भूमिका में नजर आएंगे। जिसमें वे भोजपुरी फिल्मों के ट्रेंडिंग स्टार खेसारीलाल यादव से टक्कर लेंगे। इस फिल्म की शूटिंग इन दिनों गोरखपुर के खूबसूरत लोकेशन पर चल रही है, जिसके निर्देशक परग पाटिल है। फिल्म की मुख्य भूमिका में खेसारीलाल यादव, राहुल शर्मा, संगीता गौड़ा, सपना चौहान, सुवींधा सेठ, विनोद मिश्रा, के के गोव्यामी, सजय पांडेय, अमित शुक्ल, जे पी सिंह, डॉ यादवेंद्र यादव, संजीव मिश्रा, दीपक सिन्हा, भानु पांडेय, निशा तिवारी, और अंशुष्मा और अर अर प्रिंस, लेखक राजाराम को लेकर कहा कि यह बड़े बैनर की फिल्म है और यह मेरे लिए बड़ी अंपर्चुनिटी है।



फिल्म राजाराम की मुख्य भूमिका में खेसारीलाल यादव, राहुल शर्मा, संगीता गौड़ा, सपना चौहान, सुवींधा सेठ, विनोद मिश्रा, के के गोव्यामी, सजय पांडेय, अमित शुक्ल, जे पी सिंह, डॉ यादवेंद्र यादव, संजीव मिश्रा, दीपक सिन्हा, भानु पांडेय, निशा तिवारी, और अंशुष्मा और अर अर प्रिंस, लेखक राजाराम को लेकर कहा कि यह बड़े बैनर की फिल्म है और यह मेरे लिए बड़ी अंपर्चुनिटी है।

## अंतिम चरण में छठ घाटों की तैयारी, सुरक्षा की व्यवस्था चुस्त-दुरुस्त

सीसीटीई कैमरों व सुरक्षा बालों के साथ मजिस्ट्रेट किये गए हैं तैनात

राष्ट्रीय खबर

**पटना :** छठ घाट की सुरक्षा व्यवस्था चुस्त कर दी गई है। त्रितीयों द्वारा गए जर रखे छठ गीत पर सूरा माहोल भक्तिमय हो गया है। फिल्मों के ट्रेंडिंग स्टार खेसारीलाल यादव से टक्कर लेंगे। इस फिल्म की शूटिंग इन दिनों गोरखपुर के खूबसूरत लोकेशन पर चल रही है, जिसके निर्देशक परग पाटिल है। फिल्म की मुख्य भूमिका में खेसारीलाल यादव, राहुल शर्मा, संगीता गौड़ा, सपना चौहान, सुवींधा सेठ, विनोद मिश्रा, के के गोव्यामी, सजय पांडेय, अमित शुक्ल, जे पी सिंह, डॉ यादवेंद्र यादव, संजीव मिश्रा, दीपक सिन्हा, भानु पांडेय, निशा तिवारी, और अंशुष्मा और अर अर प्रिंस, लेखक राजाराम को लेकर कहा कि यह बड़े बैनर की फिल्म है और यह मेरे लिए बड़ी अंपर्चुनिटी है।



बाद से उनका करीब 36 घंटे का नियाहार ब्रत शुरू हो जाएगा। पर्व के तीसरे दिन रविवार को छठप्रती विभिन्न जलाशयों में पहुंचकर अस्ताचलगामी सूर्य को अर्च अंतिम करेंगे। पर्व के चौथे और अंत दिन योग्यताके लिए इस महापर्व के दूसरे दिन शनिवार को छठप्रती दिन भर बिना जल ग्रहण किए उपवास रखने के बाद सुरक्षित होने पर खाना का अनुशासन करेंगे। उसके बाद दूध और गुड़ से खाने का प्रसाद बनाकर उसे सिर्फ एक बार खायें तथा जब तक तक चांद नजर आएंगा, तब तक ही जल ग्रहण कर सकेंगे और उसके

किसी भी प्रकार की मनोकामनाओं को लेकर अनुशासन संपन्न करता है तत्काल उसकी मनोकामना पूर्ण होती है जिन्मकुंडली में स्थित ग्रहों की विप्रिमा स्थिति होने पर इनकी अराधना से पूर्ण शांति मिलती है विशेषकर निःसंताना, एवं चंचलग (सफेद दाग), गलिन कुछ दिवारों के लिए विवाह में अनेकालीन महाभारतकालीन महेश्वर रूप एवं विष्णुपद के निकट सूर्यकुड़ तालाब के किनारे सायंकालीन

ग्रहदेवीजनित समयाओं के नियाहारण में इनके लिये आवश्यक हैं। यहाँ सूर्यमंदिर के पूजारी प्रो.मनोज कुमार मिश्र ने बताया कि सौर साधन के निमित्त गयाजी की धरती बहुत ही पावन है यही कारण रहा कि एक ओर महाभारतकालीन ऋषि गय ने जहां तपस्या कर नारायण का सानिध्य प्राप्त किया वहाँ सिद्धार्थ के निकट प्रातःकालीन ब्रह्म यत्प्रपत्ति विष्णुपद के निकट सूर्यकुड़ तालाब के किनारे सायंकालीन

ब्राह्मणीघाट सूर्यमंदिर के पूजारी प्रो.मनोज कुमार मिश्र ने बताया कि सौर साधन के निमित्त गयाजी की धरती बहुत ही पावन है यही कारण रहा कि एक ओर महाभारतकालीन ऋषि गय ने जहां तपस्या कर नारायण का सानिध्य प्राप्त किया वहाँ सिद्धार्थ के निकट महेश्वरतालीन महेश्वर रूप एवं विष्णुपद के निकट सूर्यकुड़ तालाब के किनारे सायंकालीन

ग्रहदेवीजनित समयाओं के नियाहारण में इनके लिये आवश्यक हैं। यहाँ सूर्यमंदिर के पूजारी प्रो.मनोज कुमार मिश्र ने बताया कि सौर साधन के निमित्त गयाजी की धरती बहुत ही पावन है यही कारण रहा कि एक ओर महाभारतकालीन ऋषि गय ने जहां तपस्या कर नारायण का सानिध्य प्राप्त किया वहाँ सिद्धार्थ के निकट सूर्यकुड़ तालाब के किनारे सायंकालीन

ग्रहदेवीजनित समयाओं के नियाहारण में इनके लिये आवश्यक हैं। यहाँ सूर्यमंदिर के पूजारी प्रो.मनोज कुमार मिश्र ने बताया कि सौर साधन के निमित्त गयाजी की धरती बहुत ही पावन है यही कारण रहा कि एक ओर महाभारतकालीन ऋषि गय ने जहां तपस्या कर नारायण का सानिध्य प्राप्त किया वहाँ सिद्धार्थ के निकट सूर्यकुड़ तालाब के किनारे सायंकालीन

ग्रहदेवीजनित समयाओं के नियाहारण में इनके लिये आवश्यक हैं। यहाँ सूर्यमंदिर के पूजारी प्रो.मनोज कुमार मिश्र ने बताया कि सौर साधन के निमित्त गयाजी की धरती बहुत ही पावन है यही कारण रहा कि एक ओर महाभारतकालीन ऋषि गय ने जहां तपस्या कर नारायण का सानिध्य प्राप्त किया वहाँ सिद्धार्थ के निकट सूर्यकुड़ तालाब के किनारे सायंकालीन

ग्रहदेवीजनित समयाओं के नियाहारण में इनके लिये आवश्यक हैं। यहाँ सूर्यमंदिर के पूजारी प्रो.मनोज कुमार मिश्र ने बताया कि सौर साधन के निमित्त गयाजी की धरती बहुत ही पावन है यही कारण रहा कि एक ओर महाभारतकालीन ऋषि गय ने जहां तपस्या कर नारायण का सानिध्य प्राप्त किया वहाँ सिद्धार्थ के निकट सूर्यकुड़ तालाब के किनारे सायंकालीन

ग्रहदेवीजनित समयाओं के नियाहारण में इनके लिये आवश्यक हैं। यहाँ सूर्यमंदिर के पूजारी प्रो.मनोज कुमार मिश्र ने बताया कि सौर साधन के निमित्त गयाजी की धरती बहुत ही पावन है यही कारण रहा कि एक ओर महाभारतकालीन ऋषि गय ने जहां तपस्या कर नारायण का सानिध्य प्राप्त किया वहाँ सिद्धार्थ के निकट सूर्यकुड़ तालाब के किनारे सायंकालीन

ग्रहदेवीजनित समयाओं के नियाहारण में इनके लिये आवश्यक हैं। यहाँ सूर्यमंदिर के पूजारी प्रो.मनोज कुमार मिश्र ने बताया कि सौर साधन के निमित्त गयाजी की धरती बहुत ही पावन है यही कारण रहा कि एक ओर महाभारतकालीन ऋषि गय ने जहां तपस्या कर नारायण का सानिध्य प्राप्त किया वहाँ सिद्धार्थ के निकट सूर्यकुड़ तालाब के किनारे सायंकालीन

ग्रहदेवीजनित समयाओं के नियाहारण में इनके लिये आवश्यक हैं। यहाँ सूर्यमंदिर के पूजारी प्रो.मनोज कुमार मिश्र ने बताया कि सौर साधन के निमित्त गयाजी की धरती बहुत ही पावन है यही कारण रहा कि एक ओर महाभारतकालीन ऋषि गय ने जहां तपस्या कर नारायण का सानिध्य प्राप्त किया वहाँ सिद्धार्थ के निकट सूर्यकुड़ तालाब के किनारे सायंकालीन

ग्रहदेवीजनित समयाओं के नियाहारण में इनके लिये आवश्यक हैं। यहाँ सूर्यमंदिर के पूजारी प्रो.मनोज कुमार मिश्र ने बताया कि सौर साधन के निमित्त गयाजी की धरती

















